Sonam Bala
Assistant Professor (Guest Faculty)
Dept. of Geography
A.N.D. College, Shahpur Patory, Samastipur
For B.A. – II (P/S)
Paper – II, Geography of India
Lecture – 33

Scanned with CamScanner

UNIT-1 PENINSULAR DRAINAGE SYSTEM

प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र

कृष्णा नदी → कृष्णा पूर्व दिशा में बहने वाली दूसरी बड़ी प्रायद्वीपीय नदी है, जो सह्याद्रि में महाबलेश्वर के निकट निकलती है। इसकी कुल लंबाई 1401 km है। कोयना, तुंगभद्रा और भीमा इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ हैं। इस नदी के कुल जलग्रहण क्षेत्र का 27% भाग महाराष्ट्र में, 44% भाग कर्नाटक में और 29% भाग आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में पड़ता है।

कावेरी नदी → यह कर्नाटक के कोगाडु जिले में ब्रह्मगिरी पहाड़ियों (1341 m) से निकलती है। इसकी लंबाई 800 km है और यह 81,155 km^2 क्षेत्र को अपवाहित करती है। प्रायद्वीप की अन्य नदियों की अपेक्षा कम उतार-चढ़ाव के साथ यह नदी लगभग सारे साल बहती है, क्योंकि इसके ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में 60-90 मानसून (गर्मी) से और निम्न क्षेत्रों में 30-50 मानसून (सर्दी) से वर्षा होती है। इस नदी की द्रोणी का 3% भाग केरल में, 41% भाग कर्नाटक में और 56% भाग तमिलनाडु में पड़ता है। इसकी महत्वपूर्ण सहायक नदियाँ काबीनी, भवानी और अमरावती हैं।

नर्मदा नदी → यह नदी अमरकंटक पठार के पश्चिमी पार्श्व से लगभग 1057 m की ऊँचाई से निकलती है। दक्षिण में सतपुड़ा और उत्तर में विंध्याचल श्रेणियों के मध्य यह भ्रंश घाटी से बहती हुई संगमरमर की चट्टानों

में खूबसूरत महाखड्ड और जबलपुर के निकट धुआँधार जल प्रपात बनाती है। लगभग 1312 km दूरी तक बहने के बाद यह भड़ौंच के दक्षिण में अरब सागर में मिलती है। 27 km लंबा ज्वारनदमुख बनाती है। सरदार सरोवर परियोजना इसी नदी पर बनाई गई है। नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए प्रारंभ की गई योजना "नमामि देवि नर्मदे" एक यात्रा" है।

तापी नदी → तापी पश्चिम दिशा में बहने वाली एक अन्य महत्वपूर्ण नदी है। यह मध्य प्रदेश में बेतूल जिले में मुलताई से निकलती है। यह 724 km लंबी नदी है और लगभग 65,145 km^2 क्षेत्र को अपवाहित करती है। इसके अपवाह क्षेत्र का 79% भाग महाराष्ट्र में, 15% भाग मध्य प्रदेश में और शेष 6% भाग गुजरात में पड़ता है।

लूनी नदी → अरावली के पश्चिम में लूनी राजस्थान का सबसे बड़ा नदी तंत्र है। यह पुष्कर के समीप दो धाराओं (सरस्वती और सागरमती) के रूप में उत्पन्न होती है, जो गोविंदगढ़ के निकट आपस में मिल जाती है। यहाँ से यह नदी अरावली पहाड़ियों से निकलती है और लूनी कहलाती है। तलवाड़ा तक यह प० दिशा में बहती है और तत्पश्चात् द०-प० दिशा में बहती हुई कच्छ के रन में जा मिलती है। यह संपूर्ण नदी-तंत्र अल्पकालिक है।

पश्चिम की ओर बहने वाली छोटी नदियाँ

अरब सागर की ओर बहने वाली नदियों का जलमार्ग छोटा है। शेतरुनीजी एक ऐसी ही नदी है जो अमरावती जिले में डलकाहवा से निकलती है। भद्रा नदी राजकोट जिले के अनियाली गाँव के निकट से निकलती है। ढाढर नदी पंचमहल जिले के घंटार गाँव से निकलती

Scanned with CamScanner

साबरमती और माही गुजरात की दो प्रसिद्ध नदियाँ हैं।

वैतरणा नदी — नासिक जिले में त्रिंबक पहाड़ियों में 670m की ऊँचाई से यह नदी निकलती है।

कालिंदी नदी — यह बेलगाँव जिले से निकलकर कारवाड़ की खाड़ी में गिरती है।

वेदति नदी — यह हुबली (धारवाड़) से निकलती है और 161 km लंबा मार्ग तय करती है।

शरावती नदी — प० की ओर बहने वाली कर्नाटक की महत्वपूर्ण नदी। यह कर्नाटक के शिमोगा जिले से निकलती है और इसका जलग्रहण क्षेत्र 2209 km² है। जोग या गरसोप्पा प्रपात इसी नदी पर स्थित है।

मांडवी एवं जुआरी — ये दोनों गोवा की महत्वपूर्ण नदियाँ हैं।

भरतपुझा / पोंनानी → यह केरल की सबसे बड़ी नदी है। यह अन्नामलाई पहाड़ियों से निकलती है। केरल की तट रेखा छोटी है।

पेरियार — यह केरल की दूसरी सबसे बड़ी नदी है। इसका जलग्रहण क्षेत्र लगभग 5,243 km² है।

पांबा — यह केरल की नदी है जो उ० केरल में 177 km लंबा मार्ग तय करती हुई वेंबानाद-झील में जा गिरती है।

नदी	जलग्रहण क्षेत्र (km^2)
साबरमती	21,674
माही	34,842
ढाढर	2,770
कालिंदी	5,179
शरावती	2,029
भरतपुझा	5,397
पेरियार	5,243

Scanned with CamScanner

पूर्व की ओर बहने वाली छोटी नदियाँ

प्रायद्वीप में बहुत बड़ी संख्या में नदियाँ अपनी सहायक नदियों के साथ पूर्व की ओर बहती हैं। स्वर्णरेखा, वैतरणी, ब्रह्मणी, वामसाधारा, पेंनर, पालार और वैगाई महत्वपूर्ण हैं।

नदी	जलग्रहण क्षेत्र Km^2
स्वर्णरेखा	19,296
वैतरणी	12,789
ब्रह्मणी	39,033
पेंनर	55,213
पालार	17,870

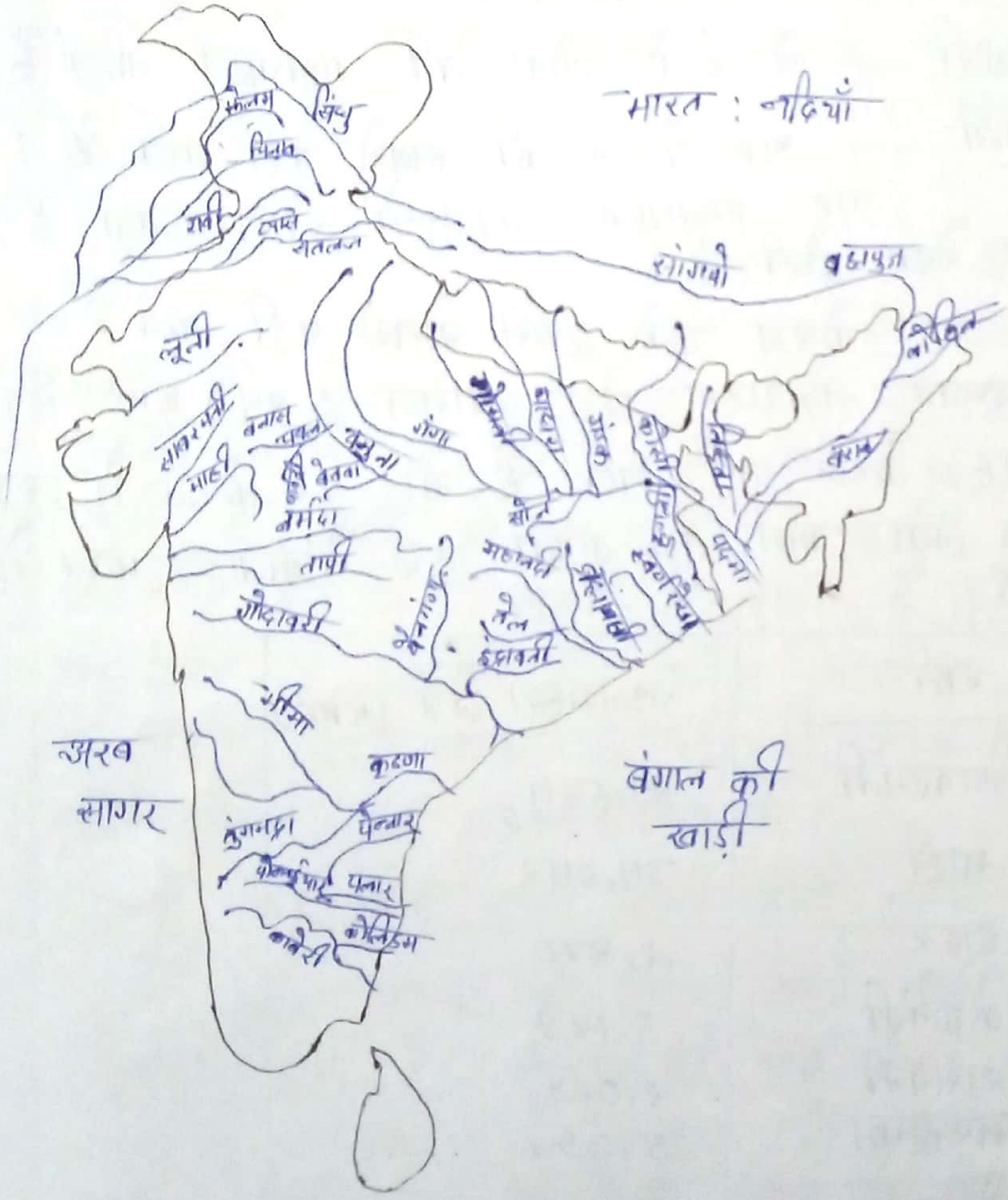

भारत : नदियाँ